

जज अदालत उपखण्ड अधिकारी अराई

मुकाम अराई (अजमेर)

रघुनाथ पुत्र माधू जाति जाट उम्र 59 साल निवासी ग्राम मोतीपुरा तहसील अराई अजमेर राज।  
-प्राथी

**बनाम**

रामलाल पुत्र माधू जाति जाट आयु वयस्क निवासी ग्राम मोतीपुरा तहसील अराई जिला अजमेर  
-अप्राथीगण।  
राजस्थान व अन्य।

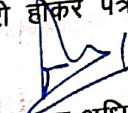


किस्म मुकदमा- धारा 212 राज0 का0 अधि0 1955

दर्ज क्रमांक 71/2024

ऑनलाइन नंबर 2024 / .....

वकील प्रतिवादीगण.....

वकील प्राथी:- श्याम मनोहर पुरोहित

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील मे जारी हुए
18/11/24	<p>यह प्रार्थना पत्र प्राथी की ओर से वकील प्राथी श्री श्याम मनोहर पारीक ने अन्तर्गत धारा 212 राज.काश्तकी अधि. 1955 के तहत पेश किया। प्रार्थना पत्र पर वकील प्राथी को सुना गया तथा पेश दस्तावेज का अवलोकन किया गया। प्रकरण को दर्ज रजिस्टर किया जाये तथा अप्राथीगणों को सम्मन जारी होकर पत्रावली दिनांक 26/11/24 को पेश हो।</p>	 उपखण्ड अधिकारी अराई
26/11/24	<p>पत्रावली पेश हुई वकील प्राथी अप्राथी के तामील मुद्दा सम्मन प्राप्त हुआ। वकील प्राथी को अप्राथी के तामील पत्रावली पेश करने के लिए 20/11/24 को पत्रावली पेश करने के लिए सूचित किया गया।</p>	 उपखण्ड अधिकारी अराई (अजमेर)
20/11/24	<p>पत्रावली पेश हुई आज 20/11/24 को वकील प्राथी की ओर से कार्य रथगन रखा गया। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 20/11/24 को पेश हो।</p>	

पत्रावली आज राष्ट्रीय तौर पर प्रसारित नहीं हुई। पत्रावली उपस्थित नहीं। पुराण के साथी गाना नहीं होने से पत्रावली पूर्व निलत दिनांक ५१५५ को पेश हो।

राजस्थान अखिबारी  
राष्ट्रीय लोक अकादमी  
किशनगढ़

व्यक्तिगत अधिकारी  
राष्ट्रीय लोक अकादमी  
किशनगढ़

५/५/२५ पत्रावली पेश हुई। वकील पत्रावली उपस्थित।  
P.O. सहाय पुताव कार्य/सहाय/वै/अकादमी  
पर पेश। पत्रावली पूर्व अद्योतानुसार.....  
दिनांक १६/५ को पेश हो।

१/५/२५ पत्रावली पेश हुई आज.....  
..... की ओर से कार्य स्थगन रखा गया।  
पत्रावली पूर्व अद्योतानुसार दिनांक २४/६/२५ को  
पेश हो।

२१/६/२५ पत्रावली पेश हुई। वकील पत्रावली उपस्थित।  
P.O. सहाय पुताव कार्य/सहाय/वै/अकादमी  
पर पेश। पत्रावली पूर्व अद्योतानुसार.....  
दिनांक २४/६/२५ को पेश हो।

२२/८/२५ पत्रावली आज पेश हुई। वकील: वारी गण उपस्थित।  
शाम ६ बजे तक रुक-रुक कर आवानें लगाई गईं।  
फिर वारी उपस्थित रहे। अतः प्रकरण जयम हाजिरी  
एवं जयम पेशी में खारिज भी जाती है।  
up